Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAPHINC101

<table>
<tr><td>Course Type: Core
(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: CC-1(1)</td><td colspan="2">L-T-P: 5-1-0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरुप से परिचित हो सकेंगे
3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी,ब्रज भाषा,खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

काल विभाजन और नामकरण

आदिकालीन काव्य : पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ

इकाई : दो

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि

इकाई : तीन

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : चार

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिंदी गद्य : विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिंदी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ-रामस्वरूप चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

साहित्येतिहास : संरचना और स्वरुप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर

हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स,नोएडा

रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली

आधुनिक साहित्य-नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद

हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

आधुनिक साहित्य का इतिहास-बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी,नयी दिल्ली

हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी-नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

छायावाद-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद

आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन,नयी दिल्ली
हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त,भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप,हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
हिंदी साहित्य का वस्तुनिश्ठ इतिहास(दो भाग)- डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Semester-I

Course Name: Hindi Vyakaran Aur Sampreshan(**MIL)**

Course Code: MILCH101

<table>
<tr><td>Course Type: C</td><td colspan="2">Course Details: CC-3(1)</td><td colspan="2">L-T-P: 5 - 1 - 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:

काल, क्रिया,अव्यय एवं कारक का परिचय।

उपसर्ग, प्रत्यय ,संधि तथा समास

इकाई-2 :

शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि ,मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,

पल्लवन और संक्षेपण ।

इकाई-3:

संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :

अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार

हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु

हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.

हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी

रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

Semester- II

Course Name: Madhyakalin Hindi Kavita

Course Code: BAPHINC201

Course Type:C	Course Details: CC-1(2)		L-T-P: **5-1-0**
		CA Marks	ESE Marks

Credit: **6**	Full Marks: **50**	Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1)मध्यकालीन सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिदृश्यों से परिचित करवाना।

2)मध्यकालीन कवियों के साहित्यिक सामर्थ्य से अवगत कराना।

3)इस काल के कवियों की भाषाओं से परिचित करवाना।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: कबीर

1-मोको कहां ढूढें बंदे, मैं तो तेरे पास में (पद संख्या – 1)

2- संतन जात न पूछो निरगुनिया (“ - 2)

3- ऐसा लौ नहिं तैसा लौ (“ -9)

4- मन ना रंगाए रंगाए जोगी कपड़ा (“ - 66)

5-माया महा ठगिनी हम जानी (‘’ -134)

पाठ्य पुस्तक- कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी,

इकाई-2 : सूरदास

1-सोभित कर नवनीत लिये (पद संख्या -19)

पाठ्य पुस्तक - सूर सुषमा –नंद दुलारे वाजपेयी

2- अंखियां हरि –दरसन की भूखी (पद संख्या - 42)

3. हमारे हरि हारिल की लकरी (पद संख्या -52)

4 .संदेशो देवकी सों कहियो (पद संख्या 375)

5.उधो ! मोहि ब्रज बिसरत

पाठ्य पुस्तक- भ्रमरगीत सार – आ0 रामचंद्र शुक्ल

इकाई :3 तुलसीदास

ऐसी मूढ़ता या मन की। (पद संख्या – 90)

अब लौ नसानी अब न नसैहौं। (“ 105)

केसव ! कहि न जाई का कहिये। (“ - 111)

ऐसो को उदार जग माहीं। (“ - 162)

कबहुंक हौं यहि रहनि रहौंगों। (“ - 172)

पाठ्य पुस्तक - विनय पत्रिका – तुलसीदास

इकाई :4 – बिहारी

1.मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई (दोहा संख्या- 1)

2.नीकी दई अनाकनी फीकी परी गुहारि (“ -11)

3.तो पर वारौं उरबसी सुनि राधिके सुजान (“ -25)

4.मंगल बिंदु सुरंगु मुखु ससि केसरि आड़ गुरु (“ -42)

5.तंत्री नाद कबित्त रस सरस राग रति रंग (“ -94)

6.या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ (“ - 121)

7. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कामु (“ -141)

8. कनकु कनकु तैं सौ गुनी मादकता अधिकाई +(“ -192)

9. स्वारथु सुकृतु न श्रम वृथा देखि विहंग विचार (“ -300)

10.बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाई (“ -472)

पाठ्य पुस्तक - बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर

संदर्भ :

1.कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी

2.कबीर : साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी

3.महाकवि सूरदास – रामचंद्र शुक्ल

4.सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा

5.गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल

6.तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह

7. बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

8. बिहारी – ओमप्रकाश

Semester- II

Course Name: Hindi Communication

COURSE CODE : AECCH201

Course Type: AE	Course Details: AECC-2	L-T-P: **4-0-0**

Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1) आधुनिक काल की विभिन्न साहित्यिक विधाओं से परिचित करवाना।

2) कविता, कहानी ,निबंध तथा व्यंग्य साहित्य की महत्ता सिद्ध करते हुए इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण साहित्यकारों से परिचित कराना।

3) इन सभी विधाओं की भाषागत विविधता से परिचित कराना।

Content/ Syllabus:

इकाई 1 – कविता :-

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन -बातें – (kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय – आपकी हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी - अपराजिता (kavitakosh.org)

इकाई-2 कहानी :-

प्रेमचंद- नशा (मानसरोवर भाग-1)

शिवमूर्ति – सिरी उपमा जोग (www.hindisamay.com)

इकाई-3. निबंध :-

भारतेंदु- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है ? (www.hindisamay.com)

राहुल सांकृत्यायन – स्त्री घुमक्कड़ (घुमक्कड़ शास्त्र-राहुल सांकृत्यायन)

इकाई-4. व्यंग्य :-

हरिशंकर परसाई – भारत को चाहिये जादूगर और साधु (वैष्णव की फिसलन-हरिशंकर परसाई)

ज्ञान चतुर्वेदी - मूर्खता में ही होशियारी (www.hindisamay.com)

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
7. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल

Semester-III

Course Name: Aadhunik Hindi Kavita

COURSE CODE- BAPHINC301

Course Type: **Core(Theoretical)**	Course Details: CC-1(3)			L-T-P: **5-1-0**	
Credit: **6**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के विकास-क्रम को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता की संवेदना और शिल्प की समझ विकसित होगी।
4. विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंत:संबंध को बेहतर समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. जयशंकर प्रसाद

पेशोला की प्रतिध्वनि, झरना, जलद- आह्वान, बीती विभावरी जागरी, अरुण यह मधुमय देश हमारा, जगती की मंगलमयी उषा बन।

इकाई-2 : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

जागो फिर एक बार, गर्म पकौड़ी, भिक्षुक, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, राजे ने रखवाली की।

इकाई-3 : सुमित्रानंदन 'पंत

आ: धरती कितना देती है, ग्राम श्री, स्त्री, द्रुत झरो, छोड़ द्रुमो की मृदु छाया, प्रथम रश्मि।

इकाई- 4: अज्ञेय

मैंने आहुति बन कर देखा, सांप, उड़ चल हारील, कलगी बाजरे की, आंगन के पार द्वार खुले, नदी के द्वीप

संदर्भ ग्रंथ :

1. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
2. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
3. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
5. मुक्तिबोध की काव्यप्रक्रिया : अशोक चक्रधर
6. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा
7. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
8. सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेंद्र
9. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ0 पन्ना

Semester-III

Course Name: Hindi Bhasha Aur Sampreshan

COURSE DETAILS: MILCH301

Course Type: C	Course Details: CC-3(3)			L-T-P: 5 - 1 - 0	
Credit: **6**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थियों में भाषा के व्यवहारिक पक्ष और उपयोग पक्ष की समझ विकसित होगी।
2. भाषिक कला के विभिन्न पक्षों को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
3. भाषा-संप्रेषण के विविध पक्षों का ज्ञान विद्यार्थियों को होगा।
4. उच्चरित और लिखित भाषा के अंतर को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. सम्प्रेषण के मूल तत्व:सम्प्रेषण का अर्थ, सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण का प्रयोजन, सम्प्रेषण की प्रक्रिया, सफल सम्प्रेषण, सफल सम्प्रेषण के अवरोध।

इकाई-2 : उच्चरित और लिखित भाषा : उच्चरित भाषा की प्रकृति, लिखित भाषा की प्रकृति, उच्चरित और लिखित भाषा के भेद, उच्चरित और लिखित भाषा की विशेषताएँ, लिखित भाषा पर उच्चरित भाषा का प्रभाव।

इकाई-3: आंगिक भाषा और सम्प्रेषण : हाव- भाव के प्रकार्य, हाव - भाव और भाषा में उसका स्थान , आंगिक भाषा शारीरिक प्रतिक्रियाएँ और स्थितियाँ , आंगिक सम्प्रेषण और भाषा।

इकाई- 4: भाषिक कला के विभिन्न पक्ष : सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम, भाषा के विभिन्न पक्ष, भाषा के उपयोग, भाषा का व्यवहारिक पक्ष ।

संदर्भ ग्रंथ :

1.भारतीय संस्कृति एंव प्रभावशाली सम्प्रेषण – डॉ0 लोकेश जैन
2.लोक प्रशासन प्रबंधन एंव प्रभावी सम्प्रेषण – डॉ0 गिरिवर सिंह राठौर
3.व्यवसायिक सम्प्रेषण – अनुपचंदेर भयानी
4.शिक्षा में सूचना एंव सम्प्रेषण प्रद्योगिकी – आर. एस. चौहान
5.हिंदी भाषा एंव सम्प्रेषण – डॉ0 नाना अग्रवाल
6.भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7.आधुनिक भाषा विज्ञान – देवेंद्रनाथ शर्मा

Semester-III

Course Name: Chalachitra Lekhan

COURSE CODE- BAPHINSE301

Course Type: SE	Course Details: SEC-1			L-T-P: 4 - 0 - 0	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. हिंदी सिनेमा के विकास-क्रम को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
2. हिंदी सिनेमा और समाज तथा हिंदी सिनेमा और साहित्य के अंत:संबंधों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थियों में पटकथा-लेखन और संवाद-लेखन का कौशल विकसित हो सकेगा।
4. हिंदी सिनेमा की कलात्मकता की समझ विद्यार्थियों में विकसित हो सकेगी।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:भारतीय सिनेमा का इतिहास , हिंदी की आरम्भिक मूक और सवाक फिल्में।

इकाई-2 : विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्में , लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद , प्रमुख निर्देशक एंव अभिनेता (दादा साहब पुरस्कार प्राप्त) ।

इकाई-3: हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास , संवाद लेखन प्रणाली या प्राविधि , हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्में (एड फिल्में)।

इकाई-4: हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका , हिंदी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावहारिक प्रशिक्षण- देवदास (तीनों निर्मितियां) तथा शोले

संदर्भ ग्रंथ--

1. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा - ब्रजश्वेर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत- अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल- विनोद भारद्वाज
7 . हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष- प्रह्लाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर- प्रताप सिंह

Semester-IV

Course Name: Hindi Gadya Sahitya

COURSE CODE- BAPHINC401

Course Type: **Core** **(Theoretical)**	Course Details: CC-1(4)			L-T-P: **5 - 1 - 0**	
Credit: **6**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कहानी की शैली, संवाद और विशेषताओं को समझ सकेंगे।
2. ममता कालिया के उपन्यास 'दौर' के माध्यम से, आधुनिक भारतीय समाज में बाजारवाद और उपभोक्तावाद के परिणामस्वरूप बदलते मानवीय संबंधों के समीकरण को विवेचित-विश्लेषित करने की क्षमता प्राप्त कर सकेंगे।
3. भारतेन्दु की नाट्य दृष्टि और 'अंधेर नगरी' नाटक में व्यक्त तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ की विसंगतियों को समझ सकेंगे।
4. आत्मकथा नामक गद्य विधा की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. कहानी - 1. बेटों वाली विधवा --- प्रेमचंद
2.सदाचार का ताबीज ---हरिशंकर परसाई

इकाई-2 : उपन्यास - दौड़---ममता कालिया

इकाई-3: नाटक –अंधेर नगरी---भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई -4: आत्मकथांश - जूठन (भाग –1), पृ. सं.— 11 से 49 (हमारा घर चंद्रभान तगा के घेर से सटा हुआ....सुरजन और मैं नौवीं कक्षा में एक साथ थे। दोनों का सेक्शन भी एक ही था।)

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा
2. हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा---रामदरश मिश्र
3. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास---इंद्रनाथ मदान
4. नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना--- सम्पादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र--- ओम प्रकाश वाल्मीकि

Semester-IV

Course Name: Sambhashan Kala

COURSE CODE- BAPHINSE401

Course Type: SE	Course Details: SEC-2			L-T-P: **4 - 0 - 0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. सम्भाषण कला के महत्व को समझ सकेंगे।
2. सम्भाषण के महत्वपूर्ण सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. अच्छे वक्ता के गुणों को रेखांकित कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3 :अच्छे वक्ता के गुण

इकाई- 4:प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

1- भाषण कला - महेश शर्मा

2- भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य

3- आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव

4- अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी

Semester-V

Course Name: Chhayavadottar Hindi Kavita

COURSE CODE- BAPHINDSE501

<table>
<tr><td>Course Type: DSE

(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: DSEC-1(1)</td><td colspan="2">L-T-P: 5 - 1 - 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:

50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. छायावादोत्तर युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यांदोलनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे।
3. छायावादोत्तर युगीन चेतना का वैचारिक आधार और अभिप्राय स्पष्ट रूप से जान सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. अज्ञेय : कलगी बाजरे की, उड़ चल हारिल।
इकाई-2. नागार्जुन : अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान ।
इकाई-3. रघुवीर सहाय : आपकी हँसी, किताब पढ़कर रोना।
इकाई-4. केदार नाथ सिंह : दाने, पानी में घिरे हुए लोग।

संदर्भ ग्रंथ

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या **:** रामस्वरूप चतुर्वेदी

2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि **:** द्वारिका प्रसाद सक्सेना

3. शताब्दी के अंत में कविता – मुक्तेश्वरनाथ तिवारी

4. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ**:** सं. नामवर सिंह

5. केदारनाथ सिंह प्रतिनिधि कविताएँ : सं. परमानंद श्रीवास्तव

6. नागार्जुन का रचना संसार:- विजय बहादुर सिंह

7. रघुवीर सहाय का कवि कर्म :-सुरेश शर्मा

8. रघुवीर सहाय का काव्य एक अनुशीलन : मीनाक्षी
9. रचनाओं के बहाने मनोहर श्याम जोशी – एक संस्मरण :
10. समकालीन हिंदी कविता:- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
14. कविता का देशकाल : मुक्तेश्वरनाथ तिवारी

15. कविता का समकालीन प्रमेय : अरुण होता

Semester-V

Course Name: Kabir

COURSE CODE- BAPHINDSE502

<table>
<tr><td>Course Type: DSE

(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: DSEC-1(1)</td><td colspan="2">L-T-P: 5 - 1 - 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:

50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कबीर के जीवन और साहित्य से विद्यार्थी परिचित हो पाएंगे।
2. कबीर की प्रसांगिकता को जान पाएंगे।
3. कबीर की सामाजिक चेतना से विद्यार्थी परिचित हो पाएंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. कबीर : जीवन और साहित्य।

इकाई-2. कबीर की भक्ति।

इकाई-3. कबीर की क्रांतिदर्शिता।

इकाई-4. कबीर : (कबीर ग्रंथावली—श्यामसुंदर दास से दो पद)

पद्य सं.-2. तेरा तेरा झूठा मीठा लागा, ताथैं साचे सूँ मन भागा, 4-पाँडे कौन कुमति तोहि लागी, तूँ राम न जपहि अभागी।

संदर्भ ग्रंथ

1. कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
2. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा : पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल
3. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल

Semester-V

Course Name: Rekha Chitra Tatha Sansmaran

COURSE CODE- BAPHINGE501

Course Type: **GE** **(Theoretical)**	Course Details: **GEC-1**		L-T-P: **5 - 1 - 0**	
Credit: **6**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी रेखाचित्र तथा संस्मरण विधाओं के स्वरूप तथा उपलब्ध साहित्य का परिचय प्राप्त करेंगे।
2. गद्य की इन विधाओं के अध्ययन से विद्यार्थी के पठन-कौशल का विकास होगा।
3. सौंदार्यानुभूति की भावना विकसित कर सकेगा।
4. गद्य की विभिन्न विधाओं की शब्दावली, भाषाभिव्यंजना आदि ग्रहण कर अपनी अभिव्यक्ति शक्ति का विकास कर सकेगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 रेखाचित्र की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-2. महादेवी वर्मा : अलोपी , घीसा।

इकाई-3. संस्मरण की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-4. काशीनाथ सिंह :दंतकथाओं में त्रिलोचन , होल्कर हाउस में द्विवेदी जी।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ : बैजनाथ सिंहल

2. हिन्दी के रेखाचित्र : मक्खनलाल शर्मा

3. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

4. स्मृति की रेखाएं : महादेवी वर्मा

5.सम्बोधन(काशीनाथ सिंह विशेषांक)-सं-कमर मेवाडी

6.बनास जन(काशीनाथ सिंह विशेषांक)-सं-पल्लव

Semester-V

Course Name: Prayojanmoolak Hindi

COURSE CODE- BAPHINGE502

<table>
<tr><td>Course Type: GE
(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: GEC-1</td><td colspan="2">L-T-P: 5-1-0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के अभिप्राय तथा उसकी परिव्याप्ति को विद्यार्थी जान पाएंगे।
2. सरकारी पत्र, अर्ध-सरकारी पत्र, प्रतिवेदन, परिपत्र, निविदा आदि के प्रारूप तथा उदाहरण से अवगत कराया जाएगा।
3. भारतीय राष्ट्रभाषा और राजभाषा के विकास में प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगिता से अवगत हो पाएंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ : उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र

इकाई-2: प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्ध-सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन , अनुस्मारक , निविदा, परिपत्र ,अधिसूचना।
इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।
इकाई- 4 : कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे

2. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक

3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे

4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी

Semester-V

Course Name: Sarjanatmak Lekhan Ke Vividh Kshetra

COURSE CODE- BAPHINSE501

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-3**		L-T-P: **4 - 0 - 0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks	ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी ।
2. विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी।
3. शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत।

(क). भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया—गद्य, पद्य में।

इकाई-2. सर्जनात्मक लेखन : भाषा संदर्भ।

(क).अनौपचारिक-औपचारिक, मौखिक-लिखित , क्षेत्रीय।

इकाई-3. कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई-4. कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन।

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन :- सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान—केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया :- कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान :- बैकुंठनाथ

Semester-V

Course Name: Anuvad Vigyan

COURSE CODE- BAPHINSE502

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-3**		L-T-P: **4 - 0 - 0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks	ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. इस पाठ्यक्रम को पढ़ने से विद्यार्थी अनुवाद की आवश्यकता, प्रकार और प्रमुख रूप का ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे।
2. अनुवाद विज्ञान के विविध पहलुओं को समझ पाएंगे।
3. व्यवहारिक तौर पर अनुवाद का कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा।

इकाई-2. अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्र।

इकाई-3. अनुवाद : प्रकृति और प्रकार |

इकाई-4. अनुवाद :सीमाएँ और महत्त्व |

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग : डॉ नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – कुमार , सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम – मा चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार 0गोस्वामी
4. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकाश खेमाज
5. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
6. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि – भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान की भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी

Semester-VI

Course Name: Aadhunik Bharatiya Kavita

COURSE CODE- BAPHINDSE601

<table>
<tr><td>Course Type: DSE
(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: DSEC-1(2)</td><td colspan="2">L-T-P: 5 - 1 - 0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practica
l</td><td>Theoretic
al</td><td>Practical</td><td>Theoretic
al</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी बांग्ला, उड़िया, उर्दू, पंजाबी आदि के कवि एवं उनके साहित्य से परिचित हो सकेंगे।

2. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी आधुनिक भारतीय भाषाओं की तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. बांग्ला : रवींद्रनाथ ठाकुर – प्राण (अनूदित)। काजी नज़रुल इस्लाम – अगर तुम राधा होते (अनूदित) ।

इकाई-2. उड़िया : सच्चिदानंद राउतराय – पहचानपत्र (अनूदित) । रमाकांत रथ – श्री राधा (अनूदित)।

इकाई-3. उर्दू : मिर्जा गालिब – कोई उम्मीद वर नजर नहीं आती(अनूदित) । फ़िराक़ गोरखपुरी – थरथरी सी है आस्मानों में। ज़ोर कुछ तो है नातवानों में ॥ (अनूदित)

इकाई-4. पंजाबी : पाश – सबसे खतरनाक होता है सपनों का मर जाना (अनूदित) । अमृता प्रीतम – धूप का टुकड़ा (अनूदित) ।

संदर्भ ग्रंथ

1. बीसवीं सदी की ओड़िया कविता यात्रा : सं. शंकर लाल पुरोहित
2. रवींद्र रचना संचयन : सं. असित कुमार बंधोपाध्याय
3. गालिब – अलि सरदार जाफरी
4. बीच का रास्ता नहीं होता – सं. चमनलाल
5. फ़िराक़ और उनकी शायरी – सं. प्रकाश पंडित

Semester-VI

Course Name: Suryakanta Tripathi 'Nirala'

COURSE CODE- BAPHINDSE602

<table>
<tr><td>Course Type: DSE
(Theoretical)</td><td colspan="3">Course Details: DSEC-1(2)</td><td colspan="2">L-T-P: 5-1-0</td></tr>
<tr><td rowspan="3">Credit: 6</td><td rowspan="3">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की कविताओं में देश प्रेम की भावना किस प्रकार प्रस्फुटित हुई है जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

2. निराला के जीवन संघर्ष का अध्ययन कर सकेंगे।

3. स्वाधीनता संग्राम के दिनों में निराला अपनी कविताओं के द्वारा किस प्रकार भारत वासियों में देश प्रेम की भावना जगा रहे थे इसकी जानकारी विद्यार्थियों को मिलेगी।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. निराला : जीवन और साहित्य।
इकाई-2. निराला : काव्यात्मक प्रवृत्ति।

इकाई-3. निराला : गाँधी जी से बातचीत, साहित्यिक सन्निपात (निबंध)।

इकाई-4. . निराला : (स्नेह निर्झर बह गया है, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है (काव्य)।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि **:** द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. निराला : आत्महंता आस्था **---** दूधनाथ सिंह
3. निराला की साहित्य साधना:- रामविलास शर्मा
4. निराला:- परमानंद श्रीवास्तव
5. निराला रचनावली**:-** सं. नंदकिशोर नवल

Semester-VI

Course Name: Hindi Cinema

COURSE CODE- BAPHINGE601

<table>
<tr><td>Course Type: GE
(Theoretical)</td><td colspan="2">Course Details: GEC-2</td><td colspan="2">L-T-P: 5-1-0</td></tr>
<tr><td rowspan="2">Credit: 6</td><td rowspan="2">Full Marks:
50</td><td colspan="2">CA Marks</td><td colspan="2">ESE Marks</td></tr>
<tr><td>Practical</td><td>Theoretical</td><td>Practical</td><td>Theoretical</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>……</td><td>10</td><td>……</td><td>40</td></tr>
</table>

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम में साहित्य और सिनेमा के अंतर्संबंध को समझा जा सकेगा।

2.हिंदी सिनेमा के इतिहास से विद्यार्थी परिचित होंगे।

3. हिंदी सिनेमा के विकास में हिंदी साहित्य के योगदान को रेखांकित किया जाएगा।

4. विद्यार्थी सिनेमा की कला और हिंदी साहित्य में निहित कलात्मक तत्वों की पहचान कर सकेंगे

5. पटकथा लेखन और फिल्म निर्माण की कला के बारे में जान सकेंगे।

6. विद्यार्थी अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग निर्माता ,लेखक और अभिनेता बनने में कर सकते हैं।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास।
इकाई-2. . हिंदी सिनेमा और समाज का अंतर्संबंध।

इकाई-3. फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम।

इकाई-4. . हिंदी सिनेमा : आज की भाषा ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्डा
2. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रकाशन विभाग
3. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रहलाद अग्रवाल
4. सिनेमा आज और कल : विनोद भारद्वाज

5.बहुवचन(हिंदी सिनेमा विशेषांक)-सं-अशोक मिश्र

Semester-VI

Course Name: Computer Aur Hindi

COURSE CODE- BAPHINGE602

Course Type: **GE** **(Theoretical)**	Course Details: **GEC-2**			L-T-P: **5-1-0**	
Credit: **6**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1 विद्यार्थी कंप्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगे।

2 हिंदी में वेब पेज बनाना सीख सकेंगे।

3 हिंदी में ईमेल पर संदेश भेजना सीख सकेंगे।

4 डेस्कटॉप पब्लिशिंग की जानकारी और अन्य संबन्धित जानकारी प्राप्त कर 5 हिंदी सॉफ्टवेयर का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

6 ऑनलाइन पत्र-पत्रिकाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. कम्प्यूटर : उद्भव और विकास।

इकाई-2. कम्प्यूटर और हिंदी : उपयोगिता , उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ।

इकाई-3. कम्प्यूटर और हिंदी : पत्रकारिता , प्रकाशन के नए आयाम।

इकाई-4. कम्प्यूटर और हिंदी : आनेवाले समय की आवश्यकता।

संदर्भ ग्रंथ

1- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
2- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
3- जनसम्पर्क स्वरुप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
4- मीडिया लेखन : डॉ. यू. सी. गुप्ता

Semester-VI

Course Name: Bhasha Shikshan

COURSE CODE- BAPHINSE601

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-4**		L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. विद्यार्थी भाषा सीखने की सृजनात्मक प्रक्रिया को समझ सकेंगे।

2. भाषा की बारीकियों को समझ सकेंगे।

3. भाषा में हिंदी शिक्षण में अच्छे शिक्षक बन सकेंगे।

4. भाषाई दक्षता अर्जित करके फिल्मों में डबिंग, हिंदी गीत लेखन जैसे क्षेत्रों में कार्य कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत।

इकाई-2. भाषा शिक्षण की विधियाँ।

इकाई-3. हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन और उपयोगिता।

इकाई-4. व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र -- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. मीडिया और बाज़ारवाद -- सं. रामशरण जोशी
3. हिंदी शिक्षण : बी. एल. शर्मा एवं बी. एम. सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण : राम सकल पाण्डेय
5. शिक्षण की तकनीकी स्वरूप : आर. एन. सक्सेना, एम. सी. ओबराय

Semester-VI

Course Name: Samachar Sankalan Aur Lekhan

COURSE CODE- BAPHINSE602

Course Type: **SE** **(Theoretical)**	Course Details: **SEC-4**		L-T-P: **4-0-0**	
Credit: **4**	Full Marks: **50**	CA Marks	ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		……	**10**	……	**40**

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. समाचार लेखन में अभी रुचि विकसित होगी।

2. छात्र मीडिया के लिए महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

3 समाचार के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: समाचार की शुरूआत ,स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-2 : समाचार लेखन : स्वरूप, विशेषताएँ और प्रकार।

इकाई-3 : समाचार लेखन :परम्परा और आधुनिकता।

(प्रिंट पत्रकारिता से आधुनिक ई-पत्रकारिता तक)

इकाई :4 : समाचार संकलन और लेखन : नएपन की निरंतरता और चुनौतियाँ ।

संदर्भ :

1. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श:- सुधीश पचौरी
2. वेब पत्रकारिता :नया मीडिया नए रुझान :-- शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी
3. मीडिया समग्र:- जगदीश्वर चतुर्वेदी
4. समाचार संपादन:- कमल दीक्षित, महेश दर्पण